भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3343

जिसका उत्तर 20 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

यमुना नदी की सफाई और सौंदर्यीकरण

3343. श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार यमुना नदी की सफाई और सौंदर्यीकरण करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) हरियाणा के सोनीपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में यमुना नदी का टोटल डिजॉल्वड सॉलिड्स (टीडीएस) स्तर कितना है/पाया गया है और सरकार द्वारा नदी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ग) यमुना नदी की गुणवत्ता और पारिस्थितिकीय प्रवाह की वास्तविक समय पर निगरानी के लिए शुरू की गई पर्यावरण प्रवाह (ई-फ्लो) निगरानी प्रणाली की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): भारत सरकार ने गंगा और उसकी सहायक नदियों (यमुना सहित) के पुनरुद्धार के लिए वर्ष 2014-15 में नमामि गंगे कार्यक्रम (एनजीपी) शुरू किया था। यह कार्यक्रम मार्च 2021 तक पांच वर्ष के लिए चलेगा और इसे आगे बढ़ाकर मार्च 2026 तक कर दिया गया है। एनजीपी के तहत 5,911 करोड़ रुपये की लागत से 2,130 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) सीवरेज उपचार क्षमता के निर्माण के लिए 33 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। परियोजनाओं की सूची **अनुलग्नक** में संलग्न है।

इसके अलावा, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) नियमित रूप से नदी जल गुणवत्ता मापदंडों की निगरानी करता है और सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) का निरीक्षण करता है और दिल्ली में स्थापित सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) की गैर-अनुपालन स्थिति के संबंध में जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 18 (1) (ख) के तहत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को दिनांक 12.11.2024 को निर्देश भी जारी किए। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार निम्नलिखित सीवेज अवसंरचना संवर्धन परियोजनाओं पर काम कर रही है: -

क. कोंडली फेज II, रिठाला फेज I और यमुना विहार फेज II में मौजूदा 3 एसटीपी का पुनर्वास;

ख. मौजूदा एसटीपी का उन्नयन और क्षमता में वृद्धि;

ग. सोनिया विहार में नए एसटीपी का निर्माण;

घ. विभिन्न इंटरसेप्टर सीवर परियोजनाएँ।

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सभी प्रचालनरत एसटीपी की निगरानी प्रत्येक महीने डीपीसीसी द्वारा की जा रही है और विश्लेषण रिपोर्ट दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की वेबसाइट पर उपलब्ध है। डीपीसीसी निर्धारित मानकों को पूरा करने के लिए नियमित आधार पर डीजेबी के साथ संपर्क स्थापित करती है।

दिल्ली जल बोर्ड ने सूचित किया है कि प्रत्येक संविदा में उपचारित अपशिष्ट आदि के गारंटीकृत मापदंडों को पूरा न करने की स्थिति में दंड का प्रावधान है और गैर-अनुपालन के लिए समय-समय पर भुगतान रोक दिया जाता है/वसूली की जाती है। यदि एजेंसियां बार-बार पत्राचार के बाद भी उचित प्रतिक्रिया नहीं देती हैं तो डीजेबी निविदा से ब्लैकलिस्ट/निषेध करने का प्रावधान है। डीजेबी ने विभिन्न स्थलों पर चूक करने वाली फर्मों पर कार्रवाई की है।

(ख): सीपीसीबी द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार, पीएच, घुलित ऑक्सीजन (डीओ), जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) और फेकल कोलीफॉर्म (एफसी) के लिए नदी की गुणवत्ता की निगरानी की जाती है।

यमुना नदी की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं:

i. 1,486 एमएलडी उपचार क्षमता वाले 85 एसटीपी प्रचालनरत हैं;
ii. 184.5 एमएलडी उपचार क्षमता वाले 17 सीईटीपी प्रचालनरत हैं;
iii. राज्य में यमुना नदी के जलग्रहण क्षेत्र में आने वाली सभी नगर पालिकाओं द्वारा सेप्टेज प्रबंधन नीति अधिसूचित की गई है तथा मौजूदा एसटीपी तक उपचार हेतु सेप्टेज के परिवहन के लिए नगर पालिकाओं में 159 टैंकर पंजीकृत/तैनात किए गए हैं।

इसके अलावा, नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत हरियाणा के सोनीपत और पानीपत में यमुना नदी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 217.87 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत पर कुल 145 एमएलडी उपचार क्षमता के 6 एसटीपी के साथ दो (2) सीवरेज परियोजनाएं पूरी की गई हैं।

(ग): वर्ष 1994 में ऊपरी यमुना बेसिन के बेसिन राज्यों के बीच किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, पारिस्थितिकीय कारणों से पूरे वर्ष ताजेवाला/हथनीकुंड के डाउनस्ट्रीम और ओखला हेडवर्क्स के डाउनस्ट्रीम में न्यूनतम प्रवाह बनाए रखना होगा। ऊपरी यमुना नदी बोर्ड (यूवाईआरबी) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, राज्यों द्वारा पूरे वर्ष हथनीकुंड बैराज और ओखला बैराज के डाउनस्ट्रीम में 10 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है।

*****

अनुलग्नक

"यमुना नदी की सफाई और सौंदर्यीकरण" के संबंध में दिनांक 20.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 3343 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

नमामि गंगे के अंतर्गत यमुना नदी पर परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना का नाम	उपचार क्षमता (एमएलडी)	स्वीकृत लागत (करोड़ रुपए में)	स्थिति
उत्तर प्रदेश				
1	वृंदावन में सीवरेज अवसंरचना का पुनरूद्धार और एसटीपी (4 एमएलडी) का विस्तार/उन्नयन	4	42.82	पूर्ण
2	मसानी में मथुरा सीवरेज योजना का पुनरूद्धार /नवीनीकरण	67.8	460.45	पूर्ण
3	आगरा में पुनरूद्धार कार्य के साथ इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन	177.6	842.25	प्रगति के अधीन
4	बागपत में इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन तथा एसटीपी कार्य	14	77.36	पूर्ण
5	फिरोजाबाद में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	0	51.08	पूर्ण
6	इटावा में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	44.94	140.6	पूर्ण
7	मुजफ्फरनगर में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	54.50	234.03	प्रगति के अधीन
8	बुढ़ाना में इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन कार्य	10	48.76	पूर्ण
9	मथुरा औद्योगिक क्षेत्र, मथुरा में वस्त्र मुद्रण इकाइयों के लिए मौजूदा सीईटीपी के बुनियादी अवसंरचना का उन्नयन (6.25 एमएलडी)	6.25	13.87	पूर्ण
10	मथुरा में शेष नालों के लिए आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	60	292.56	प्रगति के अधीन
11	कैराना में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	15	78.42	पूर्ण
12	छाता में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	6	56.15	प्रगति के अधीन
13	कोसी में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	12	66.59	प्रगति के अधीन
14	वृंदावन में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	13	77.7	प्रगति के अधीन

15	हाथरस में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	24	128.91	प्रगति के अधीन
16	सहारनपुर में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	135	577.23	प्रगति के अधीन
17	बनत में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	5	48.71	प्रगति के अधीन
18	बंतीखेड़ा और बाबरी में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	5	55.47	प्रगति के अधीन
19	थानाभवन में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	10	97.19	प्रगति के अधीन
20	शामली में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	40	206.02	प्रगति के अधीन
21	देवबंद में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	20	134.71	निविदा के अंतर्गत
दिल्ली				
1	ट्रंक सीवर नंबर 4 का पुनरूद्धार	0	87.43	पूर्ण
2	ट्रंक सीवर नंबर 5 का पुनरूद्धार	0	83.4	पूर्ण
3	कोंडली चरण-I एसटीपी (45 एमएलडी), चरण-II एसटीपी (114 एमएलडी) और चरण-III एसटीपी (45 एमएलडी) का पुनरूद्धार और उन्नयन	204	239.11	पूर्ण
4	राइजिंग मेन्स का पुनरूद्धार	0	59.13	पूर्ण
5	ट्रंक सीवर का पुनरूद्धार	0	43.92	पूर्ण
6	राइजिंग मेन का पुनरूद्धार	0	45.4	पूर्ण
7	चरण-I एसटीपी (182 एमएलडी) का पुनरूद्धार और उन्नयन	182	211.79	पूर्ण
8	564 एमएलडी (124 एमजीडी) अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी) का निर्माण	564	665.78	प्रगति के अधीन
9	दिल्ली के कोरोनेशन पिलर पर 318 एमएलडी (70 एमजीडी) का निर्माण	318	515.07	पूर्ण
हिमाचल प्रदेश				
1	पांवटा साहिब के जोन II और III के लिए सीवरेज योजना	3.16	11.57	पूर्ण
हरियाणा				
1	पानीपत में सीवरेज और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी)	90	129.51	पूर्ण
2	सोनीपत में सीवरेज और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी)	55	88.36	पूर्ण

*****